एग्री आर्टिकल्स
(कृषि लेखों के लिए ई-पत्रिका)
वर्ष: 03, अंक: 06 (नवम्बर-दिसम्बर, 2023)
www.agriarticles.com पर ऑनलाइन उपलब्ध
© एग्री आर्टिकल्स, आई. एस. एस. एन.: 2582-9882

कृषक श्री जमील अली की सफलता की कहानी (उन्नत उद्यानिकी को अपनाते हुए आय में वृद्धि)

(*आनंद हर्षाना[1] एवं मोनिका जाट[2])
[1]कीट विज्ञान प्रभाग, आईसीएआर-भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली, भारत-110012
[2] कृषि अधिकारी, उप निदेशक उद्यान, कृषि विभाग, झुंझुनू, राजस्थान-333001
*संवादी लेखक का ईमेल पता: anandharshana@gmail.com

श्री जमील अली पुत्र श्री अब्दूल गफ्फार भारतीय सेना से सेवानिवृत है। सेवानिवृति के पश्चात् सन् 2002 में ये कृषि विभाग से जुड़े एंव साथ ही आत्मा योजनान्तर्गत एवं कृषि से सम्बद्ध विभागों द्वारा आयोजित होने वाले प्रशिक्षणों में समय–समय पर भाग लेते हैं। प्रशिक्षणों में भाग लेने के उपरान्त प्राप्त हुये अनुभवों को अपनाते हुए इन्होने परम्परागत तरीके की खेती को छोड़कर उन्नत उद्यानिकी को अपनाते हुए अपनी आय में वृद्धि की।

कृषक के पास कुल 5.62 हैक्टर भूमि है, जिसमें उन्नत किस्मों के फलदार पेड़ 3000 निम्बू, 3000 मौसमी, 1000 पेड़ रेड माल्टा, 200 पेड़ आंवला, इसके अलावा सांगरी, जामुन, अमरूद, सीताफल, सिंइरिया अनार, चीकू, इमली, अंजीर के भी 100–100 पेड़ लगा रखे है।

कृषक का नाम	:	श्री जमील अली
पता	:	ग्राम–बुडाना, पंचायत समिति–झुन्झुनू, जिला झुनझुनू, राजस्थान।
सफलता & गतिविधि का क्षेत्र	:	उद्यानिकी
अवार्ड	:	कृषक को कृषि विभाग के आत्मा योजनान्तर्गत जिला स्तर पर पुरस्कृत किया गया है। इसके अलावा वन विभाग के द्वारा इन्हे वृक्ष वर्धक पुरस्कार के द्वारा सम्मानित किया गया है।

छायादार व औषधिय पौधों में अर्जुन, मोरिंगा, गोल्डन बंबू, सिल्वर ऑक, मालाबार नीम, कचनार, आमलतास, पलाश, महुआ, थाई एप्पल, जैतून, लेहसवा के भी लगभग 100–100 लगे हुये हैं। सिंचाई के लिये किसान बूंद–बूंद सिंचाई प्रणाली काम में लेता है व किसान ने अपने खेत में सोलर संयंत्र भी लगाया हुआ है। कचरा निस्तारण के लिये किसान वेस्ट डी–कम्पोजर काम में लेता है व खाद के रूप में शुद्ध देशी खाद व जीवामृत का उपयोग किया जाता है। कृषक द्वारा बगीचे की अच्छी सार सम्भाल की जाती है व हाईटेक विधि से खेती करते हुए बगीचे से वार्षिक आय लगभग 10–12 लाख तक हो जाती है।